बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 159 ● नई दिल्ली ● सोमवार 23 जून 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

मुफ्त राशन से नहीं चलेगा युवाओं का रोजगार सपा देगी रोजगार

बुलंदशहर। गरीबों के बच्चों को शिक्षा से दूर रखना चाहता है उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार गरीब ग्रामीण क्षेत्रों थोड़ी बहुत शिक्षा प्राप्त करने वाले गरीब मजदूरों को राशन बांट कर शिक्षा समाप्त करने पर उतारू है योगी जी की सरकार पीडीए सबक सिखाने को तैयार हैं भाजपा सरकार को सैक्टर प्रभारी बूथ प्रभारी यों का सत्यापन ,चौधरी चंद्रपाल पाल सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी मजदूर सभा संजीव सिरोही , जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी इरफान पठान, जिला महासचिव मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड बुलंदशहर वीरेन्द्र सिंह, भीम सिंह प्रजापति ,हितेश कुमार, पिंटू,गौरव,टिंकु प्रजापति , अली हसन ,जहीरूद्दीन, उपाध्यक्ष विधानसभा 65 बुलन्दशहर आदि मौजूद रहे

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

दिल्ली घूमने आया था कपल होटल में पत्नी का ही घोंट दिया

नई दिल्ली, मध्य दिल्ली के पहाड़गंज स्थित एक होटल में युवक ने अवैध संबंधों के शक में अपनी पत्नी की गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी और फरार हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद में वह भागकर मथुरा पहुंचा और पीसीआर कॉल कर पत्नी की हत्या की बात पुलिस को बताई। मौके पर पहुंची हाईवे मथुरा थाने की टीम ने आरोपित को दबोच लिया। दिल्ली संपर्क कर होटल में जांच करने पर बोला गया तो वहां महिला की लाश बरामद हुई। मृतका की पहचान न्यू घास मंडी, रुद्रपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड की कीर्ति शर्मा के रूप में हुई है। वहीं आरोपित की पहचान सराय आजमाबाद, आजमपुर, मथुरा के गोपाल शर्मा के रूप में हुई है। मथुरा पुलिस ने आरोपित को पहाड़गंज पुलिस के हवाले कर दिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उपयुक्त निधन वालसन के मुताबिक, शनिवार तड़के करीब तीन बजे पहाड़गंज स्थित न्यू विक्टोरिया होटल के मैनेजर प्रेम सिंह के पास मथुरा पुलिस का एक कॉल आया था। मैनेजर ने होटल का कमरा चेक करवाया तो उसमें एक महिला की लाश मौजूद थी। मथुरा पुलिस ने बताया कि गोपाल शर्मा नामक युवक अपनी पत्नी की हत्या की बात कर रहा है। दिल्ली पुलिस को खबर दी गई। मौके पर क्राइम टीम के अलावा एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। बाद में औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को मोर्चरी भेजा दिया गया। एक टीम आरोपित को गिरफ्तार करने मथुरा रवाना हो गई। शनिवार को गोपाल को दिल्ली लाया गया, जहां पूछताछ के दौरान आरोपित ने हत्या की बात स्वीकार की। उसने बताया कि उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। वह पत्नी को बहाने से दिल्ली लाया। वहां होटल का कमरा लेकर उसने शाम के समय गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। बाद में रात नौ बजे वह खाना लेने के बहने वहां से निकल गया और मथुरा पहुंचकर उसने हत्या की सूचना 112 पर काल कर दी।

दिल्ली में बेहतर कनेक्टिविटी व जाम मुक्त सड़कों के लिए बनेगा यूएमटीए

नई दिल्ली, दिल्ली में ट्रैफिक जाम और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए परिवहन एजेंसियों के बीच तालमेल की कमी को दूर करने के लिए दिल्ली सरकार ने यूनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (उम्टा या यूएमटीए) के गठन का फैसला किया है। राजधानी दिल्ली में ट्रैफिक जाम और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए परिवहन एजेंसियों के बीच तालमेल की कमी को दूर करने के लिए दिल्ली सरकार ने यूनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (उम्टा या यूएमटीए) के गठन का फैसला किया है। यह एकीकृत प्राधिकरण राजधानी में चल रही मेट्रो, बस, ट्रेन और अन्य परिवहन सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगा। सूत्रों की मानें तो दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज सिंह उम्टा से संबंधित कैबिनेट प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है और इसे जल्द ही कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। यह अथॉरिटी राजधानी की परिवहन व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। फिलहाल ये एजेंसियां अलग-अलग स्तर पर काम कर रही हैं, जिससे योजनाओं में दोहराव, देरी और संसाधनों की बर्बादी होती है। उम्टा के माध्यम से अब सभी प्रमुख परिवहन एजेंसियों को एक कॉमन प्लैटफॉर्म पर लाया जाएगा। यह प्राधिकरण न केवल योजना निर्माण में समन्वय करेगा, बल्कि जमीन पर कार्यान्वयन में भी एजेंसियों के बीच स्पष्ट अधिकार-सीमा तय करेगा। उनके बीच समन्वय भी स्थापित करेगा।

दिल्ली की सेक्स रैकेट सरगना रही सोनू पंजाबन मांग रही रहम की भीख

नई दिल्ली, । दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को सोनू पंजाबन उर्फ गीता अरोड़ा की मौजूदा मेडिकल स्थिति पता करने का निर्देश दिया, जिसने गंभीर बीमारी से पीड़ित होने के आधार पर अपनी सजा के अंतरिम निलंबन को बढ़ाने की मांग की है। कभी दिल्ली-एनसीआर में सेक्स रैकेट की सरगना रही सोनू पंजाबन को ट्रायल कोर्ट ने साल 2020 में एक माइनर को वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर करने के एक मामले में 24 साल कैद की सजा सुनाई थी, जिसके खिलाफ उसकी अपील हाई कोर्ट में लंबित है। दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस रजनीश कुमार गुप्ता की वेकेशन बेंच ने मौजूदा आवेदन पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया।

एटीएम धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, रोहिणी जिले के अमन विहार थाना पुलिस ने एटीएम में मदद करने के बहाने कार्ड बदलकर लोगों के खातों से पैसे उड़ाने वाले एक शातिर आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान सुल्तानपुरी निवासी अर्मान खान (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 79 अलग-अलग बैंकों के एटीएम कार्ड भी बरामद किए हैं। रोहिणी जिले के डीसीपी राजीव रंजन ने बताया कि 16 जून को थाना अमन विहार में ठगी की एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने एटीएम में पैसे निकालने में मदद करने के बहाने उसका कार्ड बदल दिया और फिर खाते से धोखे से पैसे निकाल लिए। डीसीपी के अनुसार पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय सूत्रों से भी जानकारी जुटाई। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपित को उसके ठिकाने से पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद अर्मान खान ने पूछताछ में बताया कि वह ऐसे एटीएम बूथों को निशाना बनाता था जहां ज्यादा भीड़ नहीं होती। वह खुद को मददगार बताकर लोगों से एटीएम कार्ड लेता और उसे चुपचाप बदल देता। फिर बाद में कार्ड का उपयोग कर उनके खातों से पैसा निकाल लेता। वहीं जांच में पता चला है कि आरोपित अर्मान खान इससे पहले भी चोरी और लूट के 4 आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है।

दिल्ली में अब इस उम्र के बच्चों को नहीं मिलेगा पहली कक्षा में एडमिशन

नई दिल्ली, दिल्ली सरकार ने नए अकादमिक सत्र (2026-27) के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने कक्षा एक के बच्चों के लिए न्यूनतम आयु तय कर दी है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से पहली कक्षा में एडमिशन लेने के लिए बच्चे की उम्र कम से कम 6 साल होनी चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है। शिक्षा निदेशालय ने नोटिफिकेशन जारी कर यह ऐलान किया है कि आधारभूत चरण को पुनर्गठित किया जाएगा, जिसमें कक्षा एक से पहले तीन साल की प्री-प्राइमरी एजुकेशन को शामिल किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य दिल्ली की स्कूल प्रणाली को एनईपी के तहत अनुशंसित 5+3+3+4 संरचना के अनुरूप बनाना है। एनईपी 2020 के तहत शुरू की गई यह संरचना पहले की 10+2 प्रणाली की जगह होगी। नई पॉलिसी के तहत स्कूल एजुकेशन को चार भागों में बांटा गया है, जिनमें पांच साल का बेसिक स्टेज, तीन साल का एलीमेंटरी स्टेज, तीन साल का मिडिल स्टेज और चार साल का सेकंडरी स्टेज शामिल है।

नोटिफिकेशन में कहा गया है कि बच्चों को तीन साल की आयु में नर्सरी (प्री-स्कूल या बाल वाटिका) में, चार साल की आयु में लोअर केजी (प्री-स्कूल 2) में और पांच साल की आयु में हाअपर केजी (प्री-स्कूल 3) में एडमिशन दिया जाएगा। नए सत्र 2026-27 से पहली कक्षा में एडमिशन केवल छह साल की उम्र पूरी होने के बाद ही दिया जाएगा।

दिल्ली जू में होने जा रहा बड़ा बदलाव, दर्शकों की परेशानी होगी दूर

नई दिल्ली, हर बार की तरह इस बार भी आने वाले मॉनसून की तेज बारिश में जू में जलभराव की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। हरी घास और पत्ते खाने वाले हिरण व मृग प्रजाति के वन्यजीवों के बाड़ों में सबसे अधिक जलभराव होता है। ऐसे 7 बाड़े हैं। जू प्रशासन ने इससे निपटने के लिए नए सिरे से पंपिंग सिस्टम और जनरेटर सिस्टम को अपग्रेड किया है। बाड़ों में मिट्टी के ऊंचे टीले आदि की व्यवस्था की गई है। मॉनसून के दौरान बाड़ों में जलभराव का सामना हिरण और मृग प्रजाति के वन्यजीव- चीतल, बारहसिंगा, कक्कड़ हिरण, काला मृग, सफेद मृग और शंघाई हिरण आदि अधिक करते हैं। इनके बाड़ों के एरिना क्षेत्र (वन्यजीवों को दर्शकों को दिखाने का खुला स्थान) में पानी भर जाता है। ये वन्यजीव खुले में ही रहना पसंद करते हैं। बीमार या घायल वन्यजीवों को ही नाइट शेल्टर में रखा जाता है। ऐसे 7 बाड़े हैं, जिनमें मॉनसून के दौरान पानी भरता है। जू के एक अधिकारी ने बताया कि बरसात का पानी निकालने के लिए सेंट्रल कंस्ट्रक्शन यूनिट के 4 बड़े पंपिंग सिस्टम को अपग्रेड कराया गया है। जू के अपने 2 सिस्टम हैं और एक नया सिस्टम खरीदा गया है। इससे अब पानी निकालने की कार्रवाई लगातार जारी रह सकेगी। विभिन्न प्रकार के पक्षियों और बंदरों के बाड़ों की छत फीडिंग प्लैटफॉर्म की है। उन्हें प्रोफाइल शीट से ढक दिया गया है, ताकि बरसात का पानी अंदर न जा सके।

राजपूताना राइफल्स के जवानों की परेशानी होगी दूर दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया ये निर्देश

नई दिल्ली, दिल्ली हाईकोर्ट ने पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली कंटोनमेंट बोर्ड (डीसीबी) को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ बैठक कर राजपूताना राइफल्स के जवानों के लिए अस्थायी सुविधा के रूप में तत्काल बेली ब्रिज बनाने पर विचार करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने पाया कि राजपूताना राइफल्स के जवानों को परेड ग्राउंड तक पहुंचने के लिए एक बदबूदार नाला पार करना पड़ता है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए वहां एक फुट ओवरब्रिज (एफओबी) बनना है, जिसे अंतिम रूप देने की कोशिशें हो रही हैं। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस मनमीत पीएस अरोड़ा की वेकेशन बेंच के सामने 18 जून को यह मामला सुनवाई के लिए आया। मौजूदा मामले में कोर्ट ने खुद से संज्ञान लेकर सुनवाई शुरू की है जिसमें दिल्ली कंटोनमेंट बोर्ड एरिया में रिंग रोड पार करने के लिए राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट से संबंधित सैनिकों के लिए रास्ता बनाने की मांग की गई। पिछली सुनवाई यानी 30 मई, 2025 को कोर्ट ने दिल्ली कंटोनमेंट बोर्ड के नोडल अधिकारी को पुलिया/मार्ग की सफाई और सौंदर्यीकरण के संबंध में 3 जून, 2025 को एक बैठक बुलाने का निर्देश दिया था।

मुख्यमंत्री कमला नगर में आयोजित भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में बनीं

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन किया। मुख्यमंत्री रविवार को दिल्ली के कमला नगर में आयोजित भगवान जगन्नाथ की पावन रथ यात्रा में सहभागी बनी।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि आज रथ यात्रा में सहभागी बनकर मन और आत्मा को अद्भुत शांति, ऊर्जा और आनंद की अनुभूति हो रही है। रथ खींचना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रभु की सेवा और समाज कल्याण का एक दिव्य माध्यम है, जो हमें आत्मिक शुद्धता और सच्चे कर्तव्य पथ की ओर अग्रसर करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अलौकिक रथ यात्रा भारत की सांस्कृतिक एकता, सामाजिक समरसता और सनातन परंपराओं की अद्वितीय शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने महाप्रभु से प्रार्थना कि वे हम सभी को संयम, सेवा और राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर आगे बढ़ने की शक्ति और संकल्प को पूरा करने का सामर्थ्य प्रदान करें।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने खेल जगत का स्वार्णिम युग देखा : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की ओर से रविवार को ओलंपिक दिवस पर ग्रालेट्स मूवह्न अभियान के तहत दौड़ का आयोजन किया गया। इस अभियान में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और राज्यसभा सदस्य एवं इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी ऊषा के साथ भाग लिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने खेल जगत का एक नया स्वर्णिम युग देखा है। फिर चाहे ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन हो, खेलो इंडिया जैसी दूरदर्शी योजनाएं हों या देशभर में

अत्याधुनिक खेल अवसंरचना का विकास हो, भारत को खेल महाशक्ति बनाने का एक महायज्ञ प्रारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा, ? देश को लगातार बेहतर खिलाड़ी मिल रहे हैं और केंद्र सरकार की ओर से खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। देश पूरी तरीके से ओलंपिक-2036 की मेजबानी के लिए तैयार है। हम चाहते हैं कि हमें ये मेजबानी मिले। हमारे खिलाड़ी अपनी तैयारी करें।?

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार इसी प्रेरणा से दिल्ली को खेल राजधानी बनाने के लिए पूरी शक्ति से कार्य कर रही है। युवा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और नए अवसर देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता अटल है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी को फिट, निरोग और हरित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने दी गति, विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र में लगाए

नई दिल्ली, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री और विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंकज कुमार सिंह ने अपने क्षेत्र में हरित अभियान को नई गति दी है। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रविवार को पूरे विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र में 501 पौधे लगाए गए। इसकी जानकारी स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर साझा की है। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, ?यह सिर्फ पेड़ नहीं है, बल्कि हर मां के आशीर्वाद और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। हमारा संकल्प है कि इस पहल को और भी व्यापक बनाएंगे और विकासपुरी को और अधिक हरा-भरा बनाएंगे। आप सभी से अनुरोध है कि इस मुहिम में सहभागी बनें और कम से कम एक पेड़ मां के नाम पर जरूर लगाएं।?उल्लेखनीय है कि 'एक

पेड़ मां के नाम' अभियान 2.0 के अंतर्गत भारत सरकार का 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार भी वर्ष 2025-26 में 3 लाख 70 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिनमें 1 लाख पौधे, 2 लाख झाड़ियां तथा 70 हजार बांस के पौधे स्कूलों में, मैन रोड के आस पास तथा बड़े-बड़े पार्कों आदि स्थानों में लगाएगी। दिल्ली सरकार की ओर से इन सबके अतिरिक्त स्कूल परिसरों में पौधारोपण के पक्ष में जागरूकता अभियान चलाना, प्लास्टिक रहित पौधों (मिट्टी के गमले अथवा बोरी) का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना, रासायनिक उर्वरकों से बचना और पूर्व में लगाए पौधों की देखभाल सुनिश्चित करना भी इस अभियान का हिस्सा है।

डिवाइडर तोड़कर लोगों पर चढ़ गई मिनी ट्रक, ड्राइवर हिरासत में

नई दिल्ली, उत्तर पूर्वी दिल्ली के यमुनापार इलाके में स्थित न्यू सीलमपुर में शनिवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। सीलमपुर चौक को पार करते समय एक तेज रफ्तार टाटा 407 मिनी ट्रक अनियंत्रित हो गया। मिनी ट्रक डिवाइडर की लोहे की ग्रिल को तोड़ते हुए सड़क किनारे खड़ी एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस दौरान 4 से 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने घायलों को इलाज के लिए जगप्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचाया, डॉक्टरों ने घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए लोक नायक जय प्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल रेफर कर दिया। स्थानीय लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया।

हत्या के मामले में फरार आरोपित

नई दिल्ली, । बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी हत्या कांड में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। हत्या में शामिल और करीब 12 महीने से फरार चल रहे आरोपित रहमान खान उर्फ जुबेर को पुलिस ने उप्र के हरदोई जिले से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, जुबेर वर्ष 2024 में शाहबाद डेयरी इलाके में हुए एक युवक हत्या में शामिल था। सनी को 10 युवकों ने मिलकर बेरहमी से पीटा और चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर दी थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि 30 जून 2024 की रात करीब 10:15 बजे 28 वर्षीय सनी, निवासी शाहबाद डेयरी, को उसके परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके शरीर पर कई जगह चाकू के निशान थे, खासकर निचले हिस्सों में गंभीर वार किए गए थे। इस मामले में थाना शाहबाद डेयरी में मुकदमा दर्ज किया गया।

डीसीपी के अनुसार जांच में सामने आया कि सनी का झगड़ा अजय उर्फ मोदी नामक युवक से था। उसी ने अपने साथी गुड्डू, टड्डू, चेतन, दीपक उर्फ दीपु, रोशन, प्रकाश, सागर और रहमान उर्फ जुबेर के साथ मिलकर सनी की हत्या की थी। घटना के बाद से जुबेर फरार था।क्राइम ब्रांच की टीम को इस मामले की जांच सौंपी गई थी। डीसीपी के अनुसार तकनीकी निगरानी और खुफिया तंत्र के सहयोग से पुलिस को पता चला कि जुबेर हरदोई (उप्र) में छिपा हुआ है। पुलिस टीम ने शाहजहांपुर रोड, नेक्सर कॉलोनी मार्ग के पास छापेमारी कर आरोपित को दबोचा। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में जुबेर ने बताया कि सनी और अजय के बीच पहले से दुश्मनी थी।

पुलिस ने वांछित आरोपित को किया

नई दिल्ली, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक वर्ष दो महीने से फरार चल रहे भगोड़े बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान पंजाबी बाग निवासी राहुल (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित को कीर्ति नगर इंडस्ट्रियल एरिया से गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार आरोपित राहुल थाना अलीपुर में चोरी के मामले में वांछित था। बाद की जांच में मामला गबन और षड्यंत्र से जुड़ा पाया गया। जिसके बाद उक्त मामले में अन्य धारा जोड़ी गई। डीसीपी के अनुसार मामले की शुरूआत तब हुई जब 19 अप्रैल 2024 को मुकेश नामक युवक ने अपने वाहन की चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजरायल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं।

अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चितता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है।

अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रतर हमले कर रहा है और ईरान भी जवाबी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चितता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। वहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ सकता है।

ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा।

त्वरित टिप्पणी : अमेरिका का ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमला

-सनत जैन-

ईरान और इजरायल की जंग में अब अमेरिका भी कूद गया है। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर देर रात बी 2 बांबर बम से हमला करके भारी तबाही मचाई है। अमेरिका ने ईरान और इजरायल युद्ध के लिए बी 2 बॉम्बर, पनडुब्बी मिसाइलों के जरिए सुनियोजित रूप से ईरान पर हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोरडो, नतांज और इसफहान पर विनाशकारी हमले का दावा करते हुए कहा है, कि यह हमला शांति के लिए किया गया है। अमेरिका के इस जंग में कूदने के बाद तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से सारी दुनिया में अफरा-तफरी मच गई है। ईरान सरकार ने अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई ने अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देते हुए कहा है, ईरान अब चुन-चुन कर अमेरिकी ठिकानों पर सीधे हमले करेगा। अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों के माध्यम से भारी बमबारी शुरू कर दी है। ईरान ने बहरीन में अमेरिकी नौ सैनिक बेडे, तथा फ्रांस के जहाजों को निशाने पर ले लिया है। इन पर कभी भी ईरान का भारी हमला हो सकता है। ईरान इस समय डू एंड डाई को आक्रामक मुद्रा में है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई ने अपने तीन उत्तराधिकारी घोषित करके अपने तेवर बता दिए हैं। उनके आक्रामक तेवर देखकर पता चलता है कि ईरान इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक लेकर जाएगा। ईरान और इजरायल युद्ध में अमेरिका के कूद जाने के बाद सारे विश्व में इसकी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से सारे विश्व में अपनी बादशाहत कायम करना चाहते हैं। वह जिस तरह का व्यवहार दुनिया के अन्य देशों के साथ कर रहे हैं। उसके बाद चीन-रूस जैसे शक्तिशाली देश अमेरिका को पहले ही चेतावनी दे चुके थे। युद्ध में यदि अमेरिका कूदेगा, ऐसी स्थिति में चीन और रूस खुलकर ईरान के पक्ष में खड़े होंगे। सारी दुनिया के देशों के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दादागिरी कर रहे हैं। उसको लेकर दुनिया के देशों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध बढ़ता चला जा रहा है। यह आशंका व्यक्त की जा रही है, कि चीन और रूस खुले रूप से ईरान के पक्ष में न केवल खड़े होंगे वरन जरूरत पड़ने पर वह ईरान के पक्ष में युद्ध के मैदान में खुद भी कूद जाएंगे। अमेरिका जिस तरह से पूरी दुनिया का दादा बनना चाहता है। चीन, रूस समेत कई देशों को अमेरिका की यह दादागिरी बर्दाश्त नहीं है। इस कारण तृतीय विश्वयुद्ध जैसी संभावना बनती दिख रही है। ऐसी स्थिति में रूस-चीन और उत्तर कोरिया के ईरान के पक्ष में युद्ध के मैदान में उतरने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है।

सम्पादकीय...

भारत की आध्यात्मिक आत्मा

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ देखा ही नहीं गया है - बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के जरिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के जरिए तैयार किया गया था।

2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरूप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फीनिक्स की तरह उभरा - 2024 में वहां 16 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40, 000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज्यादा साधकों को आकर्षित किया। और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया –जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ –न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए।

यह पर्यटन नहीं था–यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)-संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र ह्रस्वह्न को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र - भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें - ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया। मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014-15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5, 287.90 करोड़ रुपए की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2, 106.44 करोड़ रुपए के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ी गईं। चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रुपए की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3, 295.76 करोड़ रुपए की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी। इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी - जो अब तक का सबसे अधिक है। 2024-25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया।

पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको-टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं - जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं।

भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही - यह उर्जा अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था।

इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014-22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रुपए (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9% की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023-24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं ह्र इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोजगार की आधारशिला के रूप में उभरा।

पर्यटन एक संपूर्ण आयाम वाले मिशन के रूप में विकसित हुआ। ह्नएक विरासत अपनाएँह्न योजना के तहत प्रमुख स्थलों का कॉर्पोरेट प्रबंधन शुरू हुआ, जबकि उड़ान योजना ने शिरडी, जीरो और मिनिकॉय जैसे दूर-दराज के स्थानों को हवाई मार्ग से जोड़ा। राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन ने टिकट बुकिंग, डेटा और यात्रा कार्यक्रमों का एक एकीकृत प्लेटफॉर्म में एकीकरण करना शुरू किया।

पूर्वोत्तर- जो कभी उपेक्षित था- मुकुट के एक रत्न के रूप में उभरा। एक्ट ईस्ट नीति और अवसंरचना पर विशेष ध्यान की वजह से अरुणाचल, सिक्किम और मेघालय जैसे राज्यों में पर्यटकों का आगमन 2014 और 2022 के बीच दोगुना हो गया। जीवंत गांव कार्यक्रम ने किबिथु और माना जैसे दूरदराज के इलाकों को ऐसे गंतव्यों में बदल दिया, जहां देशभक्ति का मिलन प्रकृति और विरासत से होता है।

पर्यटन का विचार भी आकांक्षापूर्ण हो गया। ह्नभारत में विवाहह्न, राजस्थान और गोवा जैसे विवाह केंद्रों के लिए प्रोत्साहन, अभियान और अवसंरचना के समर्थन में तब्दील हो गया। इस बीच, चिकित्सा और कल्याण पर्यटन के लिए 2022 में 6 लाख से अधिक विदेशी मरीज आये, जिससे भारत दुनिया के अग्रणी उपचार स्थलों में से एक बन गया।

क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन

-तनवीर जाफरी-

इस्राईल -ईरान के बीच छिड़े आधुनिक युद्ध ने पूरे विश्व को स्तब्ध व चिंतित कर दिया है। इस्राईल गत कई वर्षों से ईरान को युद्ध में खींचने की पूरी कोशिश कर रहा था परन्तु ईरान सीधे युद्ध में कूदने से बचता आ रहा था। परन्तु गत 13 जून को इस्राईल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला कर दिया। इस हमले के कुछ ही समय बाद इस्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने एक टी वी प्रसारण में इस हमले को उचित ठहराते हुये ईरान पर परमाणु बम बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और अपनी चिंता दोहराई कि ईरान का परमाणु बम इस्राईल को नष्ट कर सकता है। इस्राईल ने ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सेना कमांडर भी मार दिये। इस्राईल ने 13 जून को ईरान पर हमला उस समय किया जबकि दो दिन बाद ही यानी 15 जून को ईरान और अमरीका के मध्य परमाणु समझौता होने की तारीख तय थी और यह समझौता किसी निष्कर्ष पर पहुँचने की उम्मीद भी की जा रही थी। परन्तु इस्राईल ने समझौते के पहले ही हमला कर ईरान को बड़ा धोका दे दिया। इस्राईली हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस हमले की पहले से जानकारी थी और इस हमले में कई ईरानी कट्टरपंथी (परमाणु वार्ताकार) मारे गए हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह समझौता नहीं करता, तो और बड़े हमले झेलने पड़ सकते हैं। यही नहीं बल्कि ट्रंप ने इस्राईल की पीठ थपथपाते हुये इस्राईली हमलों को ₹शानदार₹ बताया और कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा छोड़नी होगी। साथ ही ट्रंप ने अमेरिका को इस्राईल का सबसे बड़ा सहयोगी भी बताया। साफ है ईरान पर इस्राईल द्वारा धोखे से किये गये इस हमले का अमेरिका भी बराबर का साझीदार है।

अब जरा 2003 के उस दौर को भी याद कीजिये जब इराक में सद्दाम हुसैन के शासनकाल में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन, ने यह दावा किया था कि सद्दाम हुसैन के पास रासायनिक, जैविक और संभवतः परमाणु हथियार भी हैं जो वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं। यह दावा खुफिया जानकारी पर आधारित बताया गया था। इसी 'खुफिया जानकारी' को बहाना बनाकर अमेरिका ने ₹ऑपरेशन इराकी फ्रीडम₹ के नाम से इराक पर बड़ी सैन्य कार्रवाई की और इराक को तबाह कर के छोड़ा। यहाँ तक कि स्थानीय अदालत का गठन कर सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ा दिया। इराक में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रासायनिक, जैविक और सामूहिक विनाश के हथियार होने की जानकारी गलत साबित हुई। वहां ऐसे हथियार होने के कोई सबूत नहीं मिले। जगजाहिर है कि अमेरिका द्वारा इराक पर सैन्य कार्रवाई वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण और मध्य पूर्व में अमेरीकी सामरिक प्रभाव बढ़ाने की इच्छा के तहत की गयी। इराक की तबाही व सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने यह तर्क भी दिया था कि सद्दाम हुसैन का तानाशाही शासन इराकी जनता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक था। बहरहाल आज वही अमेरिका जिसने केवल इराक ही तबाह करने की कोशिश नहीं की बल्कि यह जापान पर 6 और 9 अगस्त 1945 को परमाणु बम गिराने का भी गुनहगार है.वह अमेरिका जो कोरिया, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, क्यूबा, कांगो, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया, ग्रेनेडा, लेबनान, सीरिया, लीबिया, अल साल्वाडोर, निकारागुआ, ईरान(1987) पनामा, इराक, कुवैत, सोमालिया, बोस्निया, सूडान, अफगानिस्तान, योगोस्लाविया जैसे देशों पर हमले करने व वहां की सत्ता को अस्थिर करने का जिम्मेदार हो, क्या वह अमेरिका तय करेगा कि किस देश को परमाणु शस्त्र रखना चाहिए और किसे नहीं? या फिर फिलिस्तीन की जमीन पर अमेरिका ब्रिटेन की शह पर कब्जा जमाये बैठा वह अवैध देश इस्राईल जिसपर गजा में लगभग 82, 000 लोगों को मारने व लगभग 20 लाख लोगों को बेघर कर क्षेत्र में मानवीय संकट खड़ा का आरोप है वह तय करेगा कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिए और किसे नहीं? जो देश स्वयं पूरे विश्व में अस्थिरता फैलाने, क्षेत्रीय संघर्ष भड़काने, शस्त्रों के व्यवसाय तथा तेल जैसी सम्पदा पर गिद्ध दृष्टि रखते हों पड़ोसी देशों में फूट डलवाकर युद्ध भड़काना ही जिनका व्यवसाय बन चुका हो वह देश कैसे निर्धारित कर सकते हैं कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिये किसे नहीं? आज विश्व में जिनदेशों के पास परमाणु शस्त्र हैं उनमें सबसे बड़ा जखीरा संयुक्त राज्य अमेरिका के पास है। इसके अतिरिक्त रूस, चीन, फ्रांस, यूके (ब्रिटेन), इस्राईल, उत्तर कोरिया, भारत व पाकिस्तान जैसे देश भी परमाणु शस्त्र धारक देशों में गिने जाते हैं। बावजूद इसके कि ईरान अभी तक यह कहता आया है कि उसके द्वारा किया जा रहा परमाणु संवर्धन उसकी ऊर्जा सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने जैसे शांतिपूर्ण कार्यों के लिये है। फिर भी यह क्यों जरूरी नहीं कि मानवता का सबसे बड़ा हत्यारा देश इजराईल जो भूखे, निहत्थे बच्चों व बुजुर्गों औरतों का लगातार नरसंहार करता आ रहा, जो अपनी सैन्य शक्ति और अमेरिका की शह के बल पर अपने कब्जे की जमीन का लगातार विस्तार

फिर लहराया देश का कूटनैतिक परचम

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

समूची दुनिया में जंग के हालात पैदा होते जा रहे हैं। कहीं सत्ता के लिए गृह युद्ध की परिस्थितियां हैं तो कहीं पडोसियों के साथ संघर्ष का माहौल है। कहीं वर्चस्व की लडाई हो रही है तो कहीं अहंकार का परचम फहरा रहा है। ऐसे में व्यक्तिगत जीवन को विलासता के हिडोले पर पहुंचाने के लिए विदेशों में जाकर नौकरियां करने से लेकर शिक्षा लेने वालों की भीड अब देश के लिए संकट बनती जा रही है। स्वयं के निर्णय पर परदेश जाने वाले जब वहां संकट में घिर जाते हैं तब उनके परिजनों से लेकर विपक्षी नेताओं तक का दबाव सरकार पर डाला जाने लगता है। सुरक्षित वापसी का जिम्मा सरकार पर थोपा जाता है। इन प्रयासों में आने वाला खर्च भी टैक्सदाताओं की खून-पसीने की कमाई से चुकाया जाता है। विदेश नीति के तहत सरकार के कूटनैतिक प्रयास तेज किये जाते हैं। अतीत गवाह है कि रूस-यूक्रेन जंग में वहां से भारतीयों को निकालने में सरकार को भारी मसक्कत का सामना करना पडा था। उस दौरान नापाक धरती के वासिन्दों तक ने भारतीय झंडे की आड में सुरक्षित वापिसी की थी। उसकी पुनरावृत्ति एक बार फिर हो रही है। इजरायल-ईरान युद्ध छिड गया। वहां पर फंसे लोगों को निकालने का एक बार फिर दबाव बनाया गया। सरकार ने ह्नआपरेशन सिंधुह्न के तहत कूटनैतिक प्रयासों से लेकर निजी संबंधों तक की दुहाई दी। परिणामस्वरूप केवल भारतीयों के लिए ही ईरान से एयर स्पेस खोला। वहां के भारतीय दूतावास के माध्यम से नागरिकों को पहले अर्मेनिया और फिर कतर के रास्ते स्वदेश लाया गया था किन्तु अब ईरान की महन एयर की चार्टेड फ्लाइट्स का उपयोग किया जा रहा है। अभी तक तीन चरणों में लोगों की वतन वापिसी हुई है। दहशत के माहौल से वापिस आने वालों ने देश में पहुंचते ही सरकार को सुख-सुविधाओं की सूची पकडा दी। घरों तक पहुंचने के लिए बसों से यात्रा नहीं करेंगे, हवाई यात्रायें उपलब्ध कराई जायें, आरामदायक विश्राम हेतु आवास दिया जाये, मनचाहा भोजन कराया जाये। जम्मू-कश्मीर स्टूडेन्ट्स एसोसिएशन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ह्नएक्सह्न पर ईरान से सुरक्षित वापिस लाये गये छात्रों की चार दिन की यात्रा को थकाऊ बताया तथा उन्हें बसों के स्थान पर हवाई यात्रा उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने तो सरकार पर वापिस आये लोगों के पुनर्वास तथा पढाई का जुम्मा तक थोप दिया। वंशानुगत चलने वाले कुछ राजनैतिक दलों के कद्दावर नेताओं और राष्ट्रविरोधी अभियानों का कथित नेतृत्व करने वाले संगठनों व्दारा मानवता, स्वाधीनता और अधिकार के नाम पर अशान्ति फैलाने के लिए हमेशा से ही प्रयास किये जाते रहे हैं। कभी जातिवाद का जहर घोला जाता रहा है तो कभी

सम्प्रदायवाद की बारूद सुलगाई गई। कभी भाषा को मुद्दा बनाया तो कभी क्षेत्रवाद की खाई चौडी की गई। सकारात्मक परिणामों पर भी लाल स्याही फैलाने वाले लोग तो सीमापार बैठे अपने आकाओं के इशारों पर पूर्ववत विष वमन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कश्मीर से हिन्दुओं को भगाने वाले कट्टरपंथी परिवारों के हजारों छात्र वर्तमान में तेहरान, शीराज और कुम जैसे शहरों की शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश लिए हुए हैं। अपुष्ट सूत्रों के अनुसार वहां के उरमिया विश्वविद्यालय सहित अनेक संस्थान कट्टरता के लिए कुख्यात हैं जिनमें तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ मजहबी तालीम के नाम पर जेहाद की ट्रेनिंग भी दी जाती है। देश में सक्रिय अनेक आतंकवादी संगठन अपने युवा सदस्यों को पढ़ाई के नाम पर ईरान जैसे देशों में भेजकर प्रशिक्षण दिलवाते हैं। वहां पर अत्याधुनिक हथियारों को चलाने, घातक बम बनाने तथा साइबर उपकरणों को प्रयोगात्मक शिक्षा दी जाती है। एक्सपोजर विजिट के नाम पर अन्य कट्टरपंथी देशों की यात्रायें भी करायी जातीं हैं जहां आतंकी संगठनों के उनका सीधा सम्पर्क हो जाता है। एक ओर देश के अन्दर राष्ट्रद्रोहियों की गतिविधियां सुनियोजित षडयंत्र के तहत चल रहीं है वहीं दूसरी ओर वर्तमान परिस्थितियों में भारत की विदेश नीति, कूटनीति और व्यवहारिक नीति दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। जहां इजरायल-हमास, इजरायल-ईरान और रूस-यूक्रेन जैसे युद्ध लम्बे समय से चल रहे हैं वहीं भारत ने पाकिस्तान को चन्द घंटों में ही सबक सिखाकर अपना परचम फहरा दिया। दुनिया के चौधरी बनने का सपना संजोने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आइना दिखाया। उनकी मध्यस्थता वाली घोषणा को सिरे से नकारा। उनके आमंत्रण को पूर्व निर्धारित व्यस्तताओं का हवाला देकर अपना इरादा जाहिर कर दिया। ऐसा ही संकेत तुर्किये को दिया। उसके शत्रु देश साइप्रस की देश के प्रधानमंत्री ने चौंकाने वाली यात्रा की। वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ एक छत से पहाडियों को निहार कर वहां की विवादास्पद धरती के प्रति अपनी नीति उजागर कर दी। वैश्विक स्तर पर भारत की उभरती छवि से जहां अनेक विकसित राष्ट्रों के सीने पर सांप लोट रहे हैं वहीं उन राष्ट्रों के लिए काम करने वाले मीरजाफरों की जमातें आन्तरिक कलह के लिए देश के अन्दर धरातल तैयार करने में जुटीं हैं। चन्द सिक्कों, झूठे सम्मान और खोखले दबदबे के लालच में जमीर का सौदा करने वाले लोग तो सरकार के प्रत्येक कार्य को नकारात्मकता के लबादे में ढककर पेश करने से बाज नहीं आ रहे हैं। वर्तमान में ईरान से लौटे कश्मीरी छात्रों व्दारा पैदा किया गया घटनाक्रम इसी मानसिकता की एक और बानगी है जिसमें अहसान फरामोशों की जमात सुरक्षाकवच में आते ही अपना असली रंग दिखाने लगी है। विदेश प्रवास पर जाने के पहले क्या भारत सरकार से कोई अनुमति, स्वीकृति या अनुबंध किया था कि मुसीबत की घडी में सरकार उत्तरदायी होगी जिसके आधार पर दावेदारी निर्धारित की जा रही है, विलासता भरी सुविधाओं की मांग की जा रही है और दिये जा रहे हैं मनमाने वक्तव्य। मानवता, राष्ट्रीय निष्ठा और संवेदनशीलता के तहत किये गये नागरिकों की वापसी के सरकारी प्रयासों ने भारत की कूटनैतिक विजय के साथ-साथ सफल विदेश नीति का पुनः परचम फहरा दिया है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नयी आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भाटी ने कदम ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पांडवनगर एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार भाटी, मो : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/08862)

सपाईयों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर किया जोरदार स्वागत

बिजनौर । समाजवादी पार्टी के जिला मुख्यालय पर नव नियुक्त महासचिव धर्नजय यादव व अल्पसंख्यक सभा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष महमूद कस्सार के स्वागत समारोह कार्यक्रम में विधायक नगीना पूर्व मंत्री उ० प्र० सरकार मनोज पारस अपने समर्थकों के साथ शामिल हुऐउन्होंने नवनियुक्त दोनों पदाधिकारियों जोरदार स्वागत किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी शेख जाकिर हुसैन एंव संचालन समाजवादी के प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक सभा डाक्टर रहमान ने की कार्यक्रम में पार्टी के कई वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखेंविधायक नगीना मनोज पारस ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा की भाजपा सरकार सामाजिक न्याय,एंव बाबा साहब

और उनके विचारों को तथा भारतीय संविधान को खत्म कर रही है , उन्होंने ने कहा कि प्रदेश में अखिलेश यादव सर्व समाज में उनके अधिकार, सम्मान, के लिए लड़ रहे हैं ।

वर्तमान सरकार में गरीबों पीड़ित लोगों को सताया जा रहा है । सभी को एकजुट होकर निरंकुश सरकार के जुल्मों के खिलाफ आवाज उठानी पड़ेगी ।और आने वाले 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनानी पड़ेगी । इस मौके पर विधायक स्वामी ओमवेश, , हाजी रोशन, भूरे सिंह प्रदेश सचिव, शेख मो. जाहिद, विधान सभा अध्यक्ष ,शमशाद रशीद , डॉ सुरेश गौतम ,महेश चौहान , इकबाल कुरैशी , पंकज अग्रवाल , मौहम्मद हबीब , दयाराम सैनी , मो० आजम ,मो. शफीक अहमद ,मो. अदनान , अब्बास हुसैन , महमूद हसन , इरशाद अहमद साहब , मुकर्रम खां , जुबैर अहमद आदि सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहें

नकटा नदी में डूबकर नाजिम की मौत से परिजनों में छाया

बिजनौर । जनपद बिजनौर में नगीना तहसील के बढ़ापुर में दोस्तों के साथ नकटा नदी पर नहाने गये युवक की डूबकर मौत

होने से परिजनों में कोहराम मच गया । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

बढ़ापुर के मोती सराय मौहल्ला भजड़ावाला निवासी वासिफ अंसारी का 12 वर्षीय बेटा नाजिम दोस्तों के साथ नकटा नदी में नहाने गए थे । अचानक गहरे पानी में आने से नाजिम की डूबकर मौत हो गई । सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मृदुल सिंह और नगीना सीओ सिटी अंजनि चतुर्वेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे ।

उन्होंने त्वरित गोताखोरों को बुलाकर

मोबाइल और टार्च की रोशनी में बालक की तलाश को रेस्क्यू अभियान चलाया । गोताखोरों ने घंटों की मेहनत के बाद शव को बाहर निकाला । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

झालू भामाशाह चैकपोस्ट बना गोवंश का आश्रे स्थल पुलिस

बिजनौर । जनपद बिजनौर में पूर्व पुलिस कप्तान रहे दिनेश कुमार द्वारा निर्मित चैक पोस्ट अपनी दुरदर्शी पर आंसू बहा रहे हैं, या फिर गोवंश तथा आवारा कुत्तों के आश्रे स्थल बने हुए हैं । इन चौकियों पर लगे डियूटी पर तैनात ज्यादा तर पुलिस कर्मी नादारद रहते हैं । स्थानीय पुलिस कर्मी जानकर अंजाम बने हुए हैं ।आपको बता दें कि जनपद बिजनौर में पूर्व पुलिस कप्तान रहे दिनेश कुमार ने अपने कार्यकाल में दो दर्जन से अधिक चैकपोस्ट व पुलिस चौकियों का निर्माण कराकर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का काम किया था । इनमें से अधिकतर चैकपोस्ट अपनी दूरदर्शी पर आंसू बहा है। आलम यह है कि यहां डिप्यूटी पर लगाए गये ज्यादतर पुलिस कर्मी नादारद रहते हैं। जिसके चलते गोवंश चैकपोस्ट को अपना आश्रे स्थल बना लेते हैं या फिर कुत्ते डेरा जमा लेते हैं। पूर्व एसपी दिनेश कुमार द्वारा कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद व आमजन को सुरक्षा व्यवस्था दिलाने वाले प्रवास को कुछ लापरवाह पुलिस कर्मियों की वजह से पलीता लग रहा है । जनपद में कुछ चैकपोस्ट अपनी दूरदर्शा पर आंसू बहा रहे हैं । बिजनौर नहटौर मार्ग पर बनी वेंकट हाल के पास चैकपोस्ट का बुरा हाल है। वहीं झालू तिराहे पर बनी भामाशाह चैकपोस्ट को गोवंश ने आश्रे स्थल बना लिया है । अब देखना यह है कि वर्तमान

पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा लापरवाह पुलिस कर्मियों के खिलाफ क्या एक्शन लेते हैं।और जनपद के सभी चैकपोस्टों पर पुलिस को तैनात कर आमजन की सुरक्षा व्यवस्था और अपराधियों पर नकेल कसने को अमली जामा पहनाने का कार्य कर रौनक लोटाते है या नहीं। संभ्रांत नागरिकों एवं व्यापारियों, समाज सेवियों का कहना है कि जनपद में जगह-जगह चैकपोस्ट बनने से अपराधियों में दहशत और आमजन में सुरक्षा का भाव बढ़ा था।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एनएफएसयू और सीएफएसएल का किया शिलान्यास

रायपुर (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार को दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंचे। इस दौरान गृह मंत्री ने नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी और सेंट्रल फोरेंसिक लैब का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय और केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला का भी भूमिपूजन किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज नवा रायपुर के बंजारी में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय एवं केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला के भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। यह ऐतिहासिक पहल न केवल

छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश के लिए फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। यह संस्थान अत्याधुनिक तकनीकों से लैस कुशल फोरेंसिक विशेषज्ञों को तैयार करेगा, जो अपराध जांच को वैज्ञानिक, सटीक और पारदर्शी दृष्टिकोण से सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव एवं विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सैयदना के लाइव प्रवचन में शामिल होंगे 144 देश के

इंदौर, (हि.स.)। बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सैयदना आली कदर मुफद्दल सैफुद्दीन साहब के प्रवचन 26 जून से इंदौर में वीडियो के माध्यम से लाइव होंगे। यह आयोजन 10 दिनों तक चलेगा और बोहरा समाज के अनुयायी देश-विदेश से इंदौर आएंगे। बोहरा समाज का नया वर्ष इस दिन से शुरू हो रहा है। समाज के अनुयायियों के इंदौर आने की संभावना को देखते हुए आयोजक बहुत ही बड़े स्तर पर तैयारियां कर रहे हैं।

अनुमान है कि करीब एक लाख श्रद्धालु इंदौर पहुंच सकते हैं, जिनमें अफ्रीका, कुवैत, दुबई, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यमन और अमेरिका सहित 144 देशों से लोग शामिल होंगे। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने रविवार को आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और बोहरा

समाज के पदाधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं पर चर्चा की। महापौर ने बताया कि बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सैयदना आली कदर मुफद्दल सैफुद्दीन साहब द्वारा बोहरा समाज के नववर्ष के पवित्र अवसर पर चेन्नई में 10 दिवस तक वाअज (प्रवचन) दिए जाएंगे, जिसका सजीव प्रसारण इंदौर रिले केंद्र पर किया जाएगा। धर्मगुरु के प्रवचनों का श्रवण करने के लिए लगभग एक लाख से अधिक अनुयायियों का इंदौर रिले केंद्र में पहुंचने का अनुमान है। इंदौर के लिए यह एक गर्व की बात है कि सैयदना साहब जैसे महान व्यक्तित्व का प्रवचन इंदौर में हो रहा है। नगर निगम इस आयोजन को हर दृष्टि से सहयोग देगा, ताकि शहर की स्वच्छता और व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

दिल्ली में अधूरी नाला सफाई बना जनस्वास्थ्य संक डॉ नरेश कुमार ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ल। राजधानी दिल्ली में नालों की अधूरी सफाई और सड़कों पर छोड़ी गई गाद के चलते उत्पन्न हो रहे जनस्वास्थ्य और पर्यावरणीय संकट को लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति ने गंभीर चिंता जताई है। इस मुद्दे पर कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता व सदस्य एआईसीसी डॉ. नरेश कुमार ने दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता को एक ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन की एक प्रति उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना को भी भेजी गई है ताकि इस गंभीर मुद्दे पर उपराज्यपाल स्तर से भी हस्तक्षेप हो सके। इस गंभीर मसले को लेकर दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि सफाई सिर्फ दिखावे तक सीमित है। असल में नालों की गंदगी को सड़कों पर डालकर जनता को और मुश्किलों में धकेला जा रहा है। डॉ. नरेश कुमार ने मंत्री प्रवेश वर्मा पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि 'प्रवेश वर्मा सिर्फ सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं, जमीनी स्तर पर उनके विभाग की हालत बद से बदतर है। नालों की सफाई के नाम पर करोड़ों खर्च हो रहे हैं, लेकिन परिणाम सिफर है।' उन्होंने आरोप लगाया कि पीडब्ल्यूडी पूरी तरह फेल हो चुका है और मंत्री महोदय जनता को विज्ञापनों और बयानों से बहलाने में लगे हैं। डॉ. नरेश कुमार ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि नालों से निकाली गई गाद को तुरंत उठाकर सुरक्षित स्थानों पर निस्तारित किया जाए, ताकि वह बारिश के पानी के साथ वापस नालों में न पहुंचे और जल निकासी व्यवस्था प्रभावित न हो।

बाहरी निवासी महिला को मिली धमकी, पुलिस को दी शिकायत

कुरुक्षेत्र। बाहरी निवासी काजल ने थाना कृष्णा गेट कुरुक्षेत्र को गत दिवस एक शिकायत देकर फोन पर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पुलिस दी शिकायत में काजल ने कहा कि मेरा भाई विदेश में है। जो

13 जून को मुझे व्हाट्सएप पर एक नंबर से फोन आया कि मेरे भाई प्रवीण के बारे पूछा तो मैंने कहा कि वह विदेश में है। तो उसने कहा कि हम तेरे भाई को जान से मार देंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस को जिस नंबर से धमकी आई है उक्त नंबर पुलिस को दे दिया है। काजल ने पुलिस अधीक्षक से मांग की कि है धमकी देने वाले आरोपियों का सुराग लगाया जाए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने जबसे फोन आया है कि तबसे पूरा परिवार डर व सहमा हुआ है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

उत्तर भारत में माओवादी का नेटवर्क सक्रिय करने की साजिश में एनआईए ने की एक और गिरफ्तारी

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सीपीआई (माओवादी) द्वारा उत्तर भारत में अपना नेटवर्क फिर से सक्रिय करने की साजिश के मामले में विशाल सिंह को दिल्ली से गिरफ्तार किया। उसके घर से डिजिटल सबूत बरामद हुए। वह बिहार के जंगलों में संगठन की बैठकों में शामिल रहा है। इससे पहले अजय सिंघल को भी पकड़ा गया था। जांच अब भी जारी है। एनआईए के अनुसार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा निवासी विशाल सिंह के पश्चिम दिल्ली स्थित घर से डिजिटल डिवाइस, हार्ड ड्राइव, पेन ड्राइव और मोबाइल फोन सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है। जांच में सामने आया है कि विशाल सिंह ने 2019 में बिहार के घने जंगलों में सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति की बैठकों में भाग लिया था। उसने बिहार के छकरबंधा, पंचरुखिया क्षेत्र में संगठन के नेताओं को ड्रोन पहुंचाया और अन्य सदस्यों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया। एनआईए ने इससे पहले अगस्त 2024 में हरियाणा और पंजाब के स्टेट ऑर्गनाइजिंग कमेटी के प्रभारी अजय सिंघल उर्फ अमन को भी इसी मामले में गिरफ्तार किया था। यह साजिश संगठन की उत्तर भारत में सक्रियता बढ़ाने की योजना से जुड़ी है, जिसमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। संगठन अंडरग्राउंड कैडरों और कुछ ओवरग्राउंड वर्कर्स के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में नेटवर्क खड़ा कर रहा था।

चंडीगढ़ में इंडिगो की फ्लाइट टेक ऑफ से पहले तकनीकी खराबी के चलते रद्द की गई

चंडीगढ़, (हि.स.)। चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को एक बड़ा हादसा होने से बच गया। यहां इंडिगो के विमान में खराबी होने के कारण अंतिम समय में चंडीगढ़ से लखनऊ जाने वाली फ्लाइट को रद्द कर दिया। तकनीकी खराबी के बारे में उस समय पता चला जब यात्री विमान में सवार हो चुके थे और विमान उड़ान भरने के लिए तैयार था। शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इंडिगो की फ्लाइट 6ई 146 को टेक ऑफ से पहले रद्द कर दिया गया। हवाई अड्डा अधिकारियों के अनुसार यह फ्लाइट चंडीगढ़ से लखनऊ के लिए रवाना होने वाली थी। टेक ऑफ से पहले तकनीकी खराबी के चलते फ्लाइट को रोक दिया गया और इसे रद्द कर दिया गया। उड़ान से पहले पायलट ने फ्लाइट में किसी समस्या की पहचान की। एहतियातन सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया। विमान ने उड़ान नहीं भरी और उसे रनवे पर चढ़ने से पहले ही रोक दिया गया। इसके बाद यात्रियों को वैकल्पिक उड़ानों से भेजा गया और उन्हें विमान कंपनी की तरफ से टिकट का पूरी राशि भी लौटाई गई।

परिवहन मंत्री ने की बापरोला गांव से हरफूल विहार को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण कार्य की शुरूआत

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने रविवार को विकासपुरी विधानसभा के बापरोला गांव से हरफूल विहार को जोड़ने वाली पूल वाली सड़क के निर्माण कार्य की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की नाकामियों के वजह से यह सड़क लंबे समय से टूटी पड़ी रही, जिससे इलाके में रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजाना आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। मंत्री पंकज कुमार सिंह एक किकहा कि

विकासपुरी विधानसभा में रहने वाले लाखों लोगों के सर्वांगीण विकास करने और नागरिकों को शानदार सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए वे रात-दिन काम करने में जुटा है। प्रत्येक नागरिक को सभी तरह की मूलभूत सुविधाएं जल्द से जल्द मिल सके इसके लिए मेरा प्रयास लगातार जारी है। मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सड़क का निर्माण का कार्य पूरा हो जाने के बाद बापरोला गांव जी-2 जल विहार, प्रशांत एनक्लेव, बजरंग चौक से लेकर हरफूल विहात तक में रहने वाले लोगों को सीधा लाभ पहुंचेगा। साथ ही इलाके में कई प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 3000 से 3500 स्कूली बच्चों को भी रोजाना सुरक्षित और सुगम यात्रा का लाभ मिलेगा।

काम के प्रति समर्पण,दृढ़ता बहुत सारे अवसर प्रदान करता है : नमिता

नई दिल्लो। स्थित अधिवक्ता नमिता चड्ढा, चड्ढा एंड कंपनी की सह-संस्थापक, एक ऐसी महिला का बेहतरीन उदाहरण हैं, जिन्होंने पेशेवर बाधाओं का सामना करने के बावजूद पुरुष प्रधान क्षेत्र में तरक्की की है। उनके सफल करियर ग्राफ को देखते हुए, कोई भी निश्चित रूप से कह सकता है कि उन्होंने पुरुषों के क्षेत्र में एक अग्रणी महिला होने का परिचय दिया है। 'कड़ी मेहनत, दृढ़ता, लगातार उच्च गुणवत्ता प्रदान करने और कभी-कभी अपनी अपेक्षाओं में अनुचित होने का कोई विकल्प नहीं है। इसके अलावा, थोड़ी सी किस्मत कभी किसी को नुकसान नहीं पहुँचाती, हालाँकि जैसा कि किसी ने एक बार कहा था, मैं जितनी कड़ी मेहनत करता हूं, मैं उतना ही भाग्यशाली होता हूं," नमिता, जो अग्रणी कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक कानून फर्म, चड्ढा एंड कंपनी के पीछे की महिला हैं, कहती हैं। यह फर्म 40 से अधिक देशों और भारत में व्यापार करने वाली विभिन्न उद्योगों की विदेशी कंपनियों को उनके भारत में प्रवेश, उनके प्रवेश की संरचना, उनके भारतीय परिचालन की स्थापना और उनके परिचालन शुरू करने के बाद उन पर प्रभाव डालने वाले सभी कानूनी और नियामक मामलों पर सलाह देने में माहिर है। आज, चड्ढा एंड कंपनी अपनी उच्च गुणवत्ता, व्यावहारिक, सक्रिय और लागत प्रभावी कानूनी सलाह के लिए प्रतिष्ठित है, और अंतरराष्ट्रीय कानून फर्मों के साथ अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। नमिता के मुख्य अभ्यास क्षेत्र बहु-न्यायालयीय मुकदमेबाजी और विवाद समाधान नियामक मुद्दे, प्रतिस्पर्धा कानून, सफेदपोश अपराध और वाणिज्यिक धोखाधड़ी, श्रम और रोजगार और रिश्वत विरोधी उससे पूछें कि कानून के कीड़े ने उसे कैसे काटा और उसने बताया, 'मैं चुपचाप और ध्यान से अलमारी के पीछे से अपने पिता की गहन बातचीत सुनती थी जो उनके मुवक्किलों और सहकर्मियों के साथ होती थी, और वह अपने स्टेनो को अपनी दो किताबों के लिए जो संयमित निर्देश देते थे, उससे मैं कानून के बारे में उत्साहित और उत्सुक महसूस करती थी। एक लड़की के रूप में, मेरे पास हमेशा बातचीत और चर्चा करने का सहज कौशल था। एक वकील पिता होने के कारण मेरे कौशल स्वाभाविक रूप से निखर कर आए और मेरे माता-पिता को समझाने की मेरी सहज क्षमता के साथ-साथ मेरे तर्कशील स्वभाव ने मुझे यह पेशा चुनने में मदद की। जब नमिता बड़ी हुई, तो उसे पता था कि उसके पास बड़े सपने देखने, एक सफल पेशेवर बनने और दूसरों के लिए कुछ अलग करने के लिए जीवन जीने का साहस है।

कानून का पेशा इस खोज का उत्तर

प्रतीत होता था। शक्ति, समृद्धि और ग्लैमर निकट थे और प्राप्त करने योग्य प्रतीत होते थे। 'मेरे करियर को आकार देने में मेरे शिक्षकों का बहुत बड़ा योगदान है, जिन्होंने मेरे छात्र जीवन के हर कदम पर और उसके बाद भी मुझे प्रोत्साहित किया और मेरा मार्गदर्शन किया,' गतिशील महिला कहती हैं। उनके पिता हमेशा से ही उनके प्रेरणा स्रोत रहे हैं। उन्होंने नमिता में आत्मविश्वास जगाया और उसे समझाया कि अगर बाधाएं हैं, तो उम्मीदें भी हैं। साथ ही, वह अपने पति, माता-पिता, ससुराल वालों, बेटी, एक प्यारे दोस्त और सहकर्मी, एक मजबूत और प्रतिबद्ध टीम और पेशे के अंदर और बाहर के दोस्तों का प्यार और समर्थन पाने के लिए भाग्यशाली रही हैं। पहले से ही प्रतिस्पर्धी और भीड़भाड़ वाले कानूनी बाजार में अपना पैर रखते हुए, नमिता ने देखा कि भारत में व्यापार करने वाली विदेशी कंपनियों की जरूरतें शायद कम थीं। इसी वजह से उनकी फर्म की शुरूआत हुई। वह कहती हैं, 'हम भाग्यशाली थे कि हमारी फर्म स्थापित करने के कुछ ही दिनों के भीतर, एक प्रमुख जापानी कंपनी ने हमारी सेवाएं लेने का फैसला किया। कहने की जरूरत नहीं है कि मैंने और मेरे सहकर्मियों ने उस समय क्लाइंट को समय पर उच्च गुणवत्ता वाली कानूनी सलाह देने के लिए बहुत मेहनत की। वे तब अन्य जापानी कंपनियों के लिए एक बेहतरीन संदर्भ साबित हुए और हमने धीरे-धीरे एक मजबूत जापानी प्रैक्टिस बनाई। हमने यूरोपीय और अमेरिकी कंपनियों पर भी ध्यान केंद्रित किया और आज हम 40 से ज्यादा देशों की शीर्ष कंपनियों के लिए काम करते हैं।

सुंदरता के साथ बुद्धि भी एक बहुत बड़ा गुण है और नमिता सौभाग्य से दोनों गुणों से संपन्न हैं। अपनी संतुलित उपस्थिति, बौद्धिक क्षमताओं और व्यावसायिक सहयोगियों के प्रति पेशेवर गरिमापूर्ण दृष्टिकोण के साथ, वह कई लोगों के लिए एक उदाहरण स्थापित कर रही हैं कि एक महिला का अपना करियर, परिवार हो सकता है और वास्तव में अगर वह इच्छुक हो तो वह निश्चित रूप से अपने सपनों को जीवन दे सकती है। उन्हें लीगल एरा, इंडिया द्वारा वर्ष 2014 की महिला वकील के रूप में सम्मानित किया गया है और वर्ष 2014 और 2015 के लिए एशियालों द्वारा उन्हें अग्रणी वकील के रूप में पहचाना गया है। उन्हें इस बात पर गर्व है कि एक प्रमुख आभूषण ब्रांड ने उन्हें अपनी लाइन के लॉन्च के लिए रैंप पर चलने के लिए कहा था, जिससे उन महिलाओं को मान्यता मिली जो सुंदरता, लालित्य और प्रतिभा की प्रतिमूर्ति हैं। भारतीय कानूनी उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और अधिक से अधिक महिलाएं करियर में आगे बढ़कर बर्फ को तोड़ रही हैं, नमिता से पूछें कि वह नवोदित वकीलों को क्या सलाह देंगी और वह कहती हैं, 'जो लोग भविष्य में सफल वकील बनना चाहते हैं, उनमें तीव्र महत्वाकांक्षा, काम के प्रति एकनिष्ठ समर्पण और दृढ़ता होनी चाहिए। हमारा पेशा भले ही कठिन हो, लेकिन साथ ही, आज यह कई तरह के अवसर प्रदान करता है। मेरा मानना है कि अगर आप अपना काम जानते हैं और जानते हैं कि आप जो करते हैं उसमें कैसे उत्कृष्टता प्राप्त करें तो सफलता निश्चित रूप से आपके पास आएगी, चाहे आप पुरुष हों या महिला। वह अपनी लॉ फर्म का विस्तार पूरे भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखना चाहती हैं ताकि यह भारत में कानूनी सलाह की तलाश करने वाली अग्रणी कंपनियों की पहली पसंद बन जाए।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग: संघर्षरत भारतीय महिला टीम को बेल्जियम से मिली

एंटवर्प, (हि.स.)। भारतीय महिला हॉकी टीम रविवार को बेल्जियम के खिलाफ 0-2 की हार के साथ एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 की अंक तालिका में नौवें स्थान पर फिसल गई है। मेजबान टीम के लिए अम्ब्रे बालेनगिएन (40') और लिएन हिलेवार्ट (43') ने गोल किए, जिससे बेल्जियम ने अंक तालिका में तीसरा स्थान बरकरार रखा। शनिवार को 1इ5 की करारी हार के बाद भारत ने इस मुकाबले की शुरुआत आक्रामक इरादों के साथ की। पहले क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर भी अर्जित किया गया, लेकिन गोल में तब्दील नहीं हो सका। वहीं, बेल्जियम को मिले एक पेनल्टी स्ट्रोक को भारत की वीडियो रेफरल के जरिए लॉन्ग कॉर्नर में बदल दिया गया, जिससे भारत राहत में रहा। दूसरे क्वार्टर में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में भारतीय फॉरवर्ड्स ने गति और साहस के साथ अटैकिंग की कोशिशें तेज कीं। हाफ टाइम तक मुकाबला बराबरी पर था – भारत के पास दो और बेल्जियम के पास एक पेनल्टी कॉर्नर था। दोनों टीमों की सर्कल एंट्रीज भी लगभग समान (भारत 8, बेल्जियम 10) थीं। लेकिन तीसरे क्वार्टर में खेल का रुख बदल गया। बेल्जियम ने एक पेनल्टी कॉर्नर पर बालेनगिएन के पहले प्रयास को भारतीय गोलकीपर सविता ने रोक तो लिया, लेकिन रिबाउंड पर बेल्जियम ने गोल कर बढ़त ले ली। कुछ ही मिनटों में एक और पेनल्टी कॉर्नर पर हिलेवार्ट ने सटीक डिफ्लेक्शन के साथ स्कोर 2-0 कर दिया। चौथे क्वार्टर में भारत ने वापसी की भरपूर कोशिश की।

दीपिका, ज्योति, नेहा, सलीमा, नवनीत और रुतुजा ने मौके बनाए, लेकिन कोई भी प्रयास गोल में तब्दील नहीं हो सका। भारत ने मैच में 22 सर्कल एंट्रीज कीं – जो बेल्जियम के बराबर थीं – लेकिन कन्वर्जन की कमी ने टीम को एक और हार थमा दी। भारत ने इस सीजन अब तक सिर्फ दो जीत हासिल की है और टीम को अब रिलिगेशन से बचने के लिए अगली सीरीज में चीन के खिलाफ दोनों मैच जीतना जरूरी होगा। टीम के सामने अब मनोबल और रणनीति दोनों की कड़ी परीक्षा है।

कनाडा ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। कनाडा क्रिकेट टीम ने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार अमेरिका क्वालीफायर के मेजबान ने बहामास के खिलाफ जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपना स्थान सुनिश्चित किया, जो मौजूदा अभियान में उनकी लगातार पांचवीं जीत है। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार कलीम सना और शिवम शर्मा ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जिससे कनाडा ने बहामास को सिर्फ 57 रन पर ढेर कर दिया।

इसके बाद इस छोटे से लक्ष्य को कनाडा के बल्लेबाजों ने सिर्फ 5.3 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल लिया गया। कनाडा के बल्लेबाज दिलप्रीत बाजवा ने 14 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए। पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले गए टी20 विश्व कप में भाग लेने के बाद कनाडा क्वालीफायर में आगे बढ़ने के लिए पसंदीदा टीमों में से एक के रूप में पहुंचा। निकोलस किर्टन की अगुवाई वाली कनाडाई टीम ने बरमूडा के खिलाफ 110 रनों से बड़ी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद केमैन आइलैंड्स के खिलाफ 59 रनों से जीत दर्ज की। फिर अगले मैच में बहामास को 10 विकेट से रौंदा। चौथे मैच में केमैन आइलैंड्स के खिलाफ आराम दायक जीत दर्ज की। अब अपने पांचवें मैच में लगातार जीत दर्ज कर टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। कनाडा अब उन 10 टीमों की सूची में शामिल हो गया है जो 20 टीमों के इस आयोजन के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी हैं। इसके साथ ही सह-मेजबान भारत और श्रीलंका भी इसमें शामिल हैं। अन्य क्वालीफाई करने वाली टीमों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान शामिल हैं। अब सात टीमें विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने से बची हैं। इनमें यूरोप क्वालीफायर से दो (5-11 जुलाई तक), अफ्रीका क्वालीफायर से दो (19 सितंबर - 4 अक्टूबर) और एशिया-ईएपी क्वालीफायर से तीन (1-17 अक्टूबर) टीमें पुरुष टी 20 विश्व कप में शामिल होंगी।

एएफसी महिला एशियाई कप क्वालीफायर के लिए तैयार भारतीय टीम, पहले मैच में मंगोलिया से

चियांग माई (थाईलैंड), (हि.स.)। भारतीय सीनियर फुटबाल महिला टीम सोमवार को थाईलैंड के चियांग माई में अपने एएफसी महिला एशियाई कप ऑस्ट्रेलिया 2026 क्वालीफायर अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार है। टीम अपना पहला मैच मंगोलिया के खिलाफ खेलेगी। यह प्रमुख प्रतियोगिता पिछले कई सालों में ब्लू टाइग्रेस के लिए दुर्भाग्यपूर्ण रही है। भारतीय टीम ने आखिरी बार 2003 में एएफसी महिला एशियाई कप में जगह बनाई थी। वहीं जब 2022 में टूर्नामेंट की मेजबानी की, तो कोविड-19 मामलों और चोटों के कारण टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा था। ऐसे में मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री और टीम जब 16 जून को थाईलैंड पहुंचीं, तो उनका एकमात्र लक्ष्य क्वालीफायर के जरिए एएफसी महिला एशियाई

कप के लिए क्वालीफाई करना है।

भारतीय टीम क्वालीफायर के ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना सोमवार को मंगोलिया से, फिर 29 जून को तिमोर लेस्ते से, 2 जुलाई को इराक से और 5 जुलाई को मेजबान थाईलैंड से होगा। ग्रुप विजेता मार्च 2026 में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले फाइनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेगा। एएफसी महिला एशियाई कप 2026 फीफा महिला विश्व कप ब्राजील 2027 के लिए क्वालीफायर के रूप में भी काम करेगा। थाईलैंड के अलावा भारत ने इससे पहले ग्रुप बी के अन्य तीन प्रतिद्वंद्वियों का सामना कभी नहीं किया है।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) की ओर से जारी बयान में मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने कहा, श्मंगोलिया, तिमोर लेस्ते और इराक के बारे में हमारे पास ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने हाल ही में कोई मैच नहीं खेला है। हम थाईलैंड के बारे में थोड़ा जानते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि चियांग माई में पहले आने से हमें मौसम की स्थिति के अनुकूल होने और समय के अंतर को समायोजित करने में बहुत मदद मिली है। यहां का मौसम बेंगलुरु की तुलना में थोड़ा अधिक नम है। प्रशिक्षण मैदान बहुत अच्छा है और हम आगामी मैचों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

भारतीय टीम-गोलकीपर : एलंगबाम पंथोई चानू, मोइरांगथेम मोनालिशा देवी, पायल बासुदे।डिफेंडर : हेमम शिल्की देवी, किरण पिस्दा, मार्टिना थोकचोम, नगंगबाम स्वीटी देवी, फंजौबाम निर्मला देवी, पूर्णिमा कुमारी, संजू, सोरोखैबम रंजना चानू।मिडफील्डर : अंजू तमांग, ग्रेस डांगमेई, कार्तिका अंगमुथु, नोंगमैथेम रतनबाला देवी, प्रियदर्शिनी सेलादुरई, संगीता बासफोर।फॉरवर्ड : लिंडा कोम सर्टो, मालविका पी, मनीषा कल्याण, प्यारी शाशा, रिम्पा हलदर, सौम्या गुगुलोथ।

दूसरे दिन भी चला आमिर खान का जादू, फिल्म 'सितारे जमीन पर' ने की बंपर

काफी समय से बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चा तेज थी और अब आखिरकार यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। एक ओर समीक्षकों ने फिल्म को सराहा है, तो आमिर खान ने भी हमेशा की तरह अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया है। 'सितारे जमीन पर' ने अपने दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। सैकनिल्क के मुताबिक दूसरे दिन फिल्म ने पहले दिन के मुकाबले दोगुनी कमाई की। इसने 21.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है और इसी के साथ भारत में फिल्म का कुल कारोबार 32.20 करोड़ रुपये हो गया है।

वहीं फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 10.7 करोड़ रुपये से अपना खाता खोला था। 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान पहली बार जेनेलिया डिसूजा के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आए हैं। दोनों की

जोड़ी को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म डाउन सिंड्रोम जैसे संवेदनशील विषय पर आधारित है और इसका प्लॉट फ्रांस की चर्चित फिल्म 'चैंपियंस' से प्रेरित है। निर्देशन की जिम्मेदारी आरएस प्रसन्ना ने संभाली है, जिन्होंने पहले भी सामाजिक मुद्दों को हल्के-फुल्के अंदाज में पेश करने में महारत दिखाई है। फिल्म का निर्माण आमिर खान ने अपनी पूर्व पत्नी किरण राव के साथ मिलकर किया है, जिससे यह सहयोग फिर से एक सकारात्मक उदाहरण बन गया है।

कपिल शर्मा के शो में सलमान खान बोले, 'हर दिन दर्द के साथ जी रहा

सलमान खान की शादी कब होगी? ये सवाल सालों से लोगों के जेहन में बना हुआ है। 59 साल की उम्र में भी सलमान के फैंस इस उम्मीद में हैं कि शायद एक दिन उनका चहेता स्टार शादी करेगा। संगीता बिजलानी से लेकर ऐश्वर्या राय और कैटरीना कैफ तक, कई हसीनाओं के साथ उनका नाम जुड़ा, लेकिन कोई भी रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच सका। अब हाल ही में सलमान खान ने एक इंटरव्यू में इस मुद्दे पर खुलकर बात की है, जिससे एक बार फिर ये चर्चा तेज हो गई है कि आखिर दबंग खान कब घर बसाएंगे। दरअसल, हाल ही में सलमान खान 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में नजर आए थे, जहां उनसे उनके पर्सनल लाइफ को लेकर सवाल पूछा गया। जब कपिल शर्मा ने उनसे पूछा कि क्या उनकी जिंदगी में कोई खास लड़की है, तो सलमान ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, श्मेरी जिंदगी में फिलहाल कोई नहीं है। और अगर मैं सच कहूं, तो अब मुझमें उतना धैर्य नहीं है कि किसी के लिए इतना त्याग कर सकूं या पति-पत्नी के झगड़े झेलूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं अब ऐसी जगह पर हूं, जहां मुझे अपनी जिंदगी और अकेलापन पसंद है। मैं उसे किसी के साथ शेयर करने को लेकर तैयार नहीं हूं।श उनके इस बयान ने एक बार फिर यह साफ कर दिया कि सलमान अभी शादी के मूड में बिल्कुल नहीं हैं। सलमान खान ने हाल ही में एक शो के दौरान अपनी सेहत को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने कहा, श्मेरे शरीर में कई दिक्कतें हैं। रोज हड्डियां टूट रही हैं, पसलियां भी टूट चुकी हैं। मैं ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया जैसी तकलीफदेह बीमारी के साथ काम कर रहा हूं। मेरे दिमाग में एन्यूरिज्म है, एवी मालफॉर्मेशन है, इसके बावजूद मैं एक्टिंग कर रहा हूं, डांस कर रहा हूं, सबकुछ कर रहा हूं।श इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में शादी पर बात करते हुए कहा, श्अगर अब इस उम्र में शादी की और मूड खराब हुआ तो पत्नी हमारा आधा कुछ लेकर चली जाएगी। अगर ये सब कम उम्र में होता, तो ठीक था, दोबारा कमा लेते, लेकिन अब...श सलमान के इस बेबाक जवाब ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वो अपनी जिंदगी को लेकर बेहद स्पष्ट हैं और जो महसूस करते हैं, वही खुलकर कहते हैं। सलमान खान ने साल 2011 में अपने जीवन की एक बेहद कठिन लड़ाई का सामना किया था। उस दौरान वे एक गंभीर बीमारी ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया से पीड़ित हो गए थे। इस बीमारी में चेहरे की नसों में असहनीय और झटकेदार दर्द होता है, जो मरीज की मानसिक स्थिति को भी बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। फिल्म 'ट्यूबलाइट' के प्रमोशन के दौरान सलमान ने इस बीमारी के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि इस दर्द की वजह से कई बार उन्हें आत्महत्या जैसे विचार भी आने लगे थे। दर्द इतना असहनीय होता था कि जीना मुश्किल हो गया था। इस बीमारी का पता चलने के बाद

सलमान इलाज के लिए अमेरिका गए थे, जहां उन्होंने सर्जरी करवाई।

इसके बाद उनकी हालत में काफी सुधार हुआ, लेकिन उन्होंने यह भी माना कि यह अनुभव उनके जीवन का सबसे तकलीफदेह दौर था।

लीड्स टेस्ट: इंग्लैंड की ठोस शुरूआत, ओली पोप का शतक, भारत को बुमराह ने दिलाई

दूसरे दिन का खेल खत्म, इंग्लैंड 209/3, अब भी 262 रन पीछे

लीड्स, (हि.स.)। भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारत द्वारा पहली पारी में बनाए गए 471 रन के जवाब में इंग्लैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट पर 209 रन बना लिए हैं।

मेजबान टीम अभी भी भारत से 262 रन पीछे है। इंग्लैंड की शुरूआत धीमी रही और उसे पहला झटका केवल 4 रन के स्कोर पर लग गया, जब जैक क्रॉली को जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर दिया। इसके बाद बेन डकेट (62) और ओली पोप (100*) ने टीम को संभालते हुए

दूसरी विकेट के लिए अहम साझेदारी की। जो रूट ने 28 रनों का योगदान दिया, लेकिन वह भी बुमराह का शिकार बने। दिन का खेल खत्म होने तक ओली पोप 100 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि हैरी ब्रूक बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद हैं।

भारत की ओर से अब तक जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीनों विकेट अपने नाम किए हैं। इससे पहले भारत ने दिन की शुरूआत 359/3 के स्कोर से की थी और अपनी पहली पारी में 471 रन पर ऑलआउट हो गई। दूसरे दिन ऋषभ पंत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 134 रनों की शतकीय पारी खेली, जबकि शुभमन गिल ने 147 रन बनाए। हालांकि निचला क्रम कुछ खास नहीं कर सका और भारत ने जल्दी-जल्दी अपने बचे हुए विकेट गंवा दिए। इंग्लैंड के लिए बेन स्टोक्स और जोश टंग ने सबसे प्रभावशाली गेंदबाजी की और चार-चार विकेट लिए। ब्रेंडन कार्स और शोएब बशीर को एक-एक सफलता मिली।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने 4 देशों के टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया पर 3-1 से जीत दर्ज

बर्लिन, (हि.स.)। भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने बर्लिन के टीसी 1899 ब्लाउ वीस स्टेडियम में 4 देशों के टूर्नामेंट में अपने दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए शारदानंद तिवारी (15वें मिनट), सौरभ आनंद कुशवाहा (36वें मिनट) और आमिर अली (43वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए एकमात्र गोल ओलिवर विल (55वें मिनट) ने किया।

भारतीय टीम ने मैच की शुरूआत मजबूती से की और 15वें मिनट में शारदानंद तिवारी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त

दिला दी। पहले हाफ के बाकी समय में दोनों टीमों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन गोल नहीं आया। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में लगातार दो गोल कर-के अपनी लय को बनाए रखा। 36वें मिनट में सौरभ आनंद कुशवाह ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को छकाते हुए एक महत्वपूर्ण फील्ड गोल करके भारत की बढ़त को और मजबूत किया। इसके कुछ ही देर बाद 43वें मिनट में आमिर अली ने गोल करके भारत को जीत के और करीब पहुंचा दिया। मैच के अंतिम क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने भी पांच मिनट शेष रहते ओलिवर विल के गोल की बदौलत एक गोल करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि, वे दो और गोल नहीं कर सके और भारतीय टीम ने 3-1 से मुकाबला अपने नाम किया।